संगदोष और परचिंतन से बचते हुए बाबा की छत्रछाया का अनुभव करें

जीवन की सुख-शांति को कायम रखने के लिए रियलाइज़ेशन ज़रूरी...

राजयोगिनी ब्र.कु. उषा बहन,
वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

जैसा कि पिछले अंक में आपने पढ़ा कि बाबा के संग में हम जितना रहते हैं तो हमारी उन्नति भी उतनी ही है। लेकिन जितना ये इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स के साथ आज मनुष्य ने अपना संग बना दिया है, उससे संसार भर में कितनी अधोगति भी होती जा रही है। अब आगे...

अमेरिका के अन्दर एक रिसर्च हुआ कि दस लोगों को लिया गया और कहा कि आपको दस दिन मोबाइल से परहेज करनी है। आपको कमरे के अन्दर रखा जायेगा,वहाँ आपको खाना-पीना सबकुछ पहुंचाया जायेगा। किताबें रखी होंगी वो आप पढ़ सकते हैं लेकिन लैपटॉप और मोबाइल नहीं मिलेगा। इंटरनेट कनेक्शन नहीं होगा। आप भी अपने आप को देखो। तो उन्होंने बड़ी खुशी से कहा कि हाँ दस दिन तो कोई बड़ी बात नहीं है हमारे लिए। लेकिन पहला दिन ही जैसे-तैसे निकला। दूसरे दिन तो जैसे इतना फ्रस्ट्रेशन क्रियेट होने लगा। तीसरे दिन तो क्या करें, क्या नहीं करें ऐसी हालत होने लगी उन लोगों की। क्योंकि उन सबके कमरों में सीसीटीवी लगा दिया गया था ताकि उनका ऑब्र्वेशन रहे कि ये कमरे में क्या करते हैं। इतनी किताबें अच्छी-अच्छी पढ़ने के लिए रखी गई लेकिन उसमें उनका ध्यान नहीं जा रहा था, मेडिटेशन तो उनको आता ही नहीं, क्या करेंगे मेडिटेशन! चौथे दिन तो ऐसी हालत हो गई कि उन्होंने बिस्तर फाड़ना चालू किया। दीवारों के साथ सर मारना चालू किया। ऐसी-ऐसी हालत उनकी हो गई।

पाँचवे, छठे दिन में तो माना वो इतने हो गये कि आखिर उन्होंने दरवाज़ा ज़ोर-ज़ोर से ठोकना चालू किया। हमको निकालो बाहर यहाँ से। इतना उनको घुटन हुई बिना इंटरनेट के। ये परवशता जिसको कहा जाये। पराधीनता, साधनों की भी पराधीनता कहा जाये। ये इसी का नाम है। ब्राह्मणों के दस दिन तो बहुत अच्छे से गुज़र जायें। ज्ञान-योग करो। क्या कहेंगे? अच्छे से निकल जायेगा दिन या नहीं निकलेगा? मोबाइल इंटरनेट न हो। हाँ बुक्स रहेंगी। मुरली रहेगी। मुरली पढ़ने के लिए होगी, सुनने के लिए नहीं। न टीवी होगा, न इंटरनेट होगा, न मोबाइल होगा। तीनों चीज़ों का परहेज। पढ़ सकते हैं आपको जो पढ़ना है। कभी ट्रायल करके देखो कि कितने दिन ऐसा कर सकते हैं आप।

आज के समय में जैसे-जैसे साधनों की आवश्यकता बढ़ रही है, वैसे-वैसे मनुष्य उसके अधीन भी होता चला जा रहा है। उसी अधीनता के कारण उसका सुख-चैन भी खोता चला जा रहा है। अगर सुख-चैन चाहिए तो इसकी आवश्यकता को जानें और जीवन को सुखी बनायें।

तो कहने का भावार्थ यही है कि बाबा जो हम बच्चों को कहते हैं कि ये संगदोष से अपने आपको बचाने के लिए आवश्यकता है कि हमारी रूचि ज्ञान-योग में जितनी हम बढ़ा सकें उतनी हम बढ़ायें। क्योंकि उसी से हमारे अन्दर बल आयेगा। एक है ज्ञान का बल, दूसरा है योग का बल, तीसरा है सेवा का बल। बाकी धारणाओं में तो कई बल हैं। पवित्रता का बल है, साइलेंस का बल है, सत्यता का बल है, ये सब धारणाओं में आ जाता है। तो धारणाओं में तो अनेक बल मिलता है, लेकिन विशेष ज्ञान-योग के बल से अपने आप को मजबूत, सशक्त करना आवश्यक है। क्योंकि अन्तिम समय में वही चल सकेंगे।

बाबा ने हम बच्चों को तो पहले से ही इन बातों का जैसे अटेन्शन खिंचवा दिया है कि बच्चे अंतिम समय जब सैटेलाइट ही काम नहीं करेगी तो आपका कोई भी साधन ये काम करने वाला नहीं है। और जब दुनिया वालों की हालत देखते हैं, सुनते हैं कि आधे पागल हो जाते हैं ये लोग कि सर दीवारों में ठोकना पड़ता है उनको। मतलब इतना दीवानापन हो गया है कि दस दिन भी इसकी परहेज नहीं कर सके। तब कहा कि जब हमारी चालीस परसेंट बहनों ने ये प्रतिज्ञा ली और लिखकर गये कि हम हफ्ते में एक दिन या दो दिन मोबाइल परहेज ज़रूर रखेंगे, चालू ही नहीं करेंगे। उसको स्विच ऑफ करके रख देंगे। महसूस करो उसको और ट्राई करो।

- क्रमशः

सीतामढ़ी-बिहार। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज शिवहर में आयोजित कार्यक्रम में पानीपत से आये राजयोगी ब्र.कु. भारत भूषण भाई ने 'स्ट्रेस मैनेजमेंट और टाइम मैनेजमेंट' पर सम्बोधित किया। कार्यक्रम के दौरान कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर राजू शर्मा, प्रो. सनत तथा 400 विद्यार्थियों एवं अध्यापकों सहित मुज़फ्फरपुर से आये ब्र.कु. डॉ. फणीश्वर चंद, ब्र.कु. इंद्रेश भाई, शिवहर सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. भारती बहन, ब्र.कु. रेणु बहन, ब्र.कु. आमोद भाई, ब्र.कु. अमरनाथ भाई आदि उपस्थित रहे।

फिरोज़पुर सिटी-धवन कॉलोनी(पंजाब)। गणेश चतुर्थी के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में ब्र.कु. सर्मिष्ठा बहन, रामपाल भाई, सुशील भाई, प्रेम कुमारी, पूजा ग्रोवर व अन्य गणमान्य लोगों सहित अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें शामिल रहे।

बदायूं-उ.प्र.। बदायूं समाज कल्याण की तरफ से नशा मुक्त भारत अभियान के कार्यक्रम के दौरान मंचासीन हैं ब्र.कु. अरुणा बहन, डीएम मनोज कुमार सिंह, सीजीएम डॉ. कप्तान सिंह व अन्य अधिकारीगण।

टोंक-राज.। शिक्षक दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ के राजयोग भवन सेवाकेंद्र में आयोजित 'शिक्षक सम्मान समारोह' और 'शिक्षक समृद्ध सशक्त राष्ट्र के मार्गदर्शक' विषयक कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी मीना लसारिया, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सीताराम गुप्ता, अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी गोपाल लाल मीणा तथा बड़ी संख्या में जिले के शिक्षकों सहित ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. अपर्णा दीदी, पुरानी टोंक सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. ऋतु बहन तथा अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

भरतपुर-कृष्णा नगर(राज.)। शिक्षक दिवस पर डी.पी.एस. स्कूल भरतपुर में श्रीमती मंजू मलिक,प्रधानाचार्य एवं समस्त टीचर्स स्टाफ को सम्मानित करने के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. बबीता बहन, ब्र.कु. प्रवीणा बहन एवं ब्र.कु. योगिता बहन।

रूपबास-विनायक नगर(राज.)। चिल्ड्रन एकेडमी स्कूल में स्कूल के निदेशक देवेन्द्र चाहर, प्रिंसिपल जितेन्द्र शर्मा तथा सभी शिक्षकों को सम्मानित कर ईश्वरीय सौगात भेंट करने के पश्चात् समूह चित्र में उपस्थित हैं ब्र.कु. बबीता बहन व ब्र.कु. वर्षा बहन।